ई–बुलेटिन

कृषिउद्यमी

प्रतीयमान अनुभव को बांटने वाला मंच

खंड V अंक 6 सितम्बर, 2013

प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि

इस अंक में :

- कृषि यांत्रिकीकरण द्वारा सक्षम कृषि
- इस महीने का संस्थान –हील –ट्रस्ट– ईरोड, तमिलनाडु
- डी.पी.आर तैयार हेतु पूर्व अनुदेश

कृषिउद्यमी मुफ्त हेल्पलाइन का उपयोग करें -

1800 –425-1556

" कृषि उद्यमिता एक ऐसा प्रतीयमान मंच है जहां कृषि उद्यमियों, बैंकरों, कृषि व्यवसाय कंपनियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, शिक्षाशास्त्रियों, अनुसंधानकर्ताओं तथा कृषि व्यवसाय चिंतकों, जो देश में कृषि उद्यमिता विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, के अनुभवों को सबके साथ बांटा जाता है।

कृषि यांत्रिकीकरण द्वारा सक्षम कृषि (स्मार्ट फार्मिंग)

Mr. S. V. Raju (Agripreneur) explaining about the Coconut Frond Chopper to Dr. Indramani Mishra, Head Agril. Engineer Division, IARI, PUSA, New Delhi.

सिंचित क्षेत्र को व्याप्त करना तथा हाई ईल्डिग वेराइटी को परिचित कराने के प्रयास पिछले कुछ सालों में खाद्य स्वसंपूर्ति के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, साथ ही खाद्य की बढ़ती माँग ने कृषि के क्षेत्र में क्षमता निर्माण की आवश्यकता को उभारा है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु सरकार परंपरागत अक्षम कृषि उपकरणों को सक्षम यांत्रिकीकृत फसल उत्पादन हेतु नवीन योजनाओं को परिचित करा रहा है ताकि समयानुकूल, सरल तथा वैज्ञानिक कृषि परिच. ालनों, फार्म इनपुट तथा कृषि कर्मियों की दक्ष उपयोगिता को सरल बना सके । कृषि मंत्रालय ने एग्री क्लि. निक्स एवं एग्री बिजनेस केन्द्र योजना को प्रारंभ किया – जहाँ कृषि व्यापार कंपनियाँ प्रशिक्षित कृषि व्यावसायिकों द्वारा स्थापित एग्री वेन्चरों का वाणिज्यि केन्द्र है। इन वेन्चरों में फार्म उपकरणों का रखरखाव तथा निरंतर भाड़े पर देना, कृषि एवं तत्संबंधी क्षेत्रों में निवेशों को बेचना और अन्य सेवाएँ भी समाहित है। केलगोट औद्योगिक क्षेत्र, जिला चित्र दुर्ग, कर्नाटक राज्य में स्थापित वर्षा एसोसिएट भी एक ऐसा ही कृषि व्यापार केन्द्र है जो कृषि के क्षेत्र में फार्म यांत्रिकीकरण को प्रोत्साहित करने में लगातार प्रयास कर रहा है।

इसके व्यवस्थापक श्री एस.वी.राजु, 42 वर्षीय कृषि स्नातक है। स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के तुरन्त बाद उन्होंने खुद के जिले में माइक्रो–इरिगेशन उपकरणों के व्यापारी के रूप में अपना कैरियर प्रारंभ किया । व्यापार करते समय उन्होंने महसूस किया कि बाजार मांग की पूर्ति के लिए उन्हें एन्ट्रप्रेन्यूरशिप कौशलों की आवश्यकता है साथ ही वे अपने व्यापार को व्यापक बनाना भी चाहते थे । वे उस समय ऋण सहायता की खोज में भी थे। श्री एम.वी.राजु अपने मित्र–सह–साझेदार श्री वेंकटेश नायक के साथ मिलकर कुछ ऐसे बिजनेस स्कूल की खोज कर रहे थे जो अपनी व्यापारिक कौशलों में वृद्धि कर सके। सौभाग्य से उन्हें एस व ए.बी.सी. के बारे में पता चला और इस योजना से होने वाले अधिक लाभ से प्रेरित हुए । वे मेसर्स टेर्रा–फार्मा बायो टेक्नॉलजी, बैंगलूर की प्रारंभिक परीक्षा में सफल हुए तथा वर्ष 2006 में 60 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त किया।

वैयक्तिक विकास से लेकर प्रशिक्षण के दौरान कृषि–व्यापार वेन्चरों की वित्तीय प्रबंधन तक के सभी कौशलों से परिचित हुए प्रशिक्षणोपरान्त, वे बाजार सर्वेक्षण कर रु. 50 लाख हेतु ऋण का परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया । भारतीय स्टेट बैंक, चित्रदुर्ग शाखा, कर्नाटक द्वारा ऋण मंजूर किया गया तथा नाबार्ड ने 25प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की । तब से वे अपने सपनों को साकार बनाने के लिए लगातार प्रयास करते रहे और उन्हें विश्वास था कि उनका यह परिश्रम एक दिन सफल होगा । उनकी कर्मठता एवं काम के प्रति सत्यनिष्ठा के कारण उनका व्यापार अब दिन–ब–दिन बढ़ते जा रहा है।

आज वर्षा एसोसिएट कृषि निर्माण तथा औद्योगिक उपयोगिता के क्षेत्र में विशेष प्रकार के मशीनों की तैयारी एवं व्यापार में नामी संस्था बन चुका है। आज यह संस्थान बड़े पैमाने पर ट्राक्टर ड्रान तथा बुलक ड्रान ट्राक्टरों की तैयारी कर रहा है तथा आई.एस.ओ. 9001 द्वारा प्रमाणित है। उपकरणों को टिलेज उपकरण, बुआई– रोपाई उपकरण, अंतर जुताई उपकरण, सिंचाई उपकरण तथा पौध संरक्षण उपकरण, सिंचाई मशीनें, सिंचाई के उपरांत वाली मशीनें और संसाधन उपकरण, सामान्य उद्देश्य हेतु उपकरण आदि उपकरणों में विभाजित किया जा सकता है।

एक कृषि अभियंता होने के नाते, मेरा सपना था कि मैं कृषक समाज को नवप्रवर्तित तकनीकें प्रदान कर, उनकी सेवा करूँ। आज कर्नाटक राज्य में कृषि और लाइन विभाग से, वर्षा ब्रैंड की मशीनें रियायती दामों पर खरीदकर उनका लाभ उठा रहे हैं – यह कथन है, वर्षा असोसिएट के पार्टनर श्री वेंकटेश नाइक का । वर्तमान में, इस फर्म का डीलर नेटवर्क कर्नाटक तमिलनाडु केरल, गोवा में फैला है और वे भारत के अन्य भागों में भी अपना नेटवर्क फैलाना चाहते हैं।

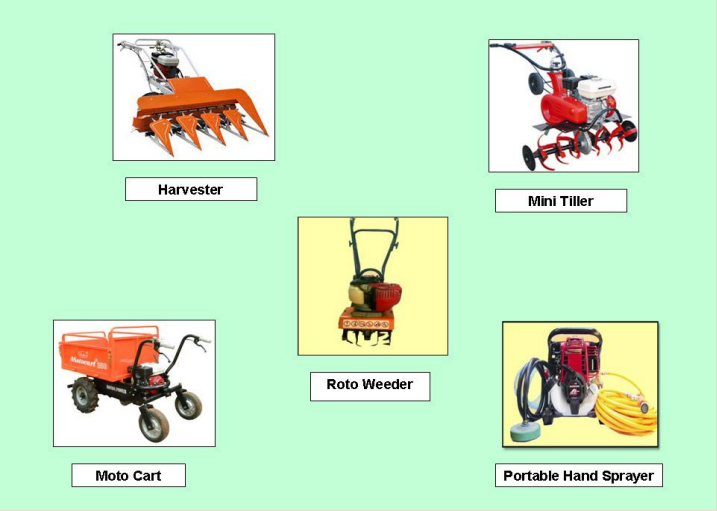

श्री एस शंकरप्पा बैंगलूर, कनार्टक के चिक्कजाला ग्राम के निवासी हैं। उन्होंने अपने पड़ोस के खेत में वर्षा असोसिएट द्वारा आयोजित कृषि उपकरणों का डेमो देखा और वे रोटोबेटर के बहुप्रयोगों से प्रभावित हुए । उन्होंने रियायती दामों पर एक रोटोवेटर खरीदा और आज वे उसका प्रयोग, हल जोतने, बीज बोने, लेवलिंग, क्लॉड्स को निकालने और मिट्टी को मिलाने हेतु करते हैं। उन्होंने एक मज़दूर को काम पर र खा और 0.34–0.37 जमीन प्रति घंटा की गति से पूरा कर पाए । वे कहते हैं कि, खेती का काम इतना स्मार्ट कभी न ही था ।

श्री एस.वी.राजू कहते हैं – विश्व की सबसे बड़ी ताकत युवावर्ग है – हमें इस शक्ति का प्रयोग, कृषि समुदाय की बेहतरी के लिए करना चाहिए । अतः वे परिश्रमी कृषि उद्यमियों से अपील करते हैं कि, वे भारत के सभी राज्यों में फार्म उत्पादों (वर्षा ब्रैंड) का व्यापक रूप से प्रचार करें ।

श्री एस.वी.राजू और श्री एम.वेंकटेश नाइक से – 91 94483 96283 पर संपर्क किया जा सकता है।

ई–मेल–venkatvn72@gmail.com info@varshaagro.com

लॅकलस्टर ग्रामीण जनता की स्वास्थ्य, शैक्षिक जागरूकता हेतु चैरिटेबल न्यास (हील न्यास), ईरोड, तमिलनाडु

हील ट्रस्ट एक गैर सरकारी संगठन (NGO) है जिसे भारतीय ट्रस्ट अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत किया गया था । यह ट्रस्ट शिक्षा, पर्यावरण, खाद्य व पोषण, ग्रामीण विकास आदिवासी –विकास, महिला सशक्तीकरण आदि के क्षेत्रों में सक्रिय है। यह संगठन नाबार्ड के कार्यक्रमों जैसे – आदिवासी विकास निधि (TDF), ग्राम – विकास परियोजना (VDP) और एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरिये ऋण लिंकेज माइक्रो कृषिउद्यमी विकास कार्यक्रम (MEDP) आदि में सम्मिलित है। इनके अलावा पशुपालन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम और गैर सरकारी संगठन (NGO) का एनिमेटर प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा कॉयर निर्मित उत्पादों पर 2 माह का उद्यमीकरण विकास कार्यक्रम EDP भी आयोजित किए जाते हैं।

मिशन – सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार, तमिलनाडु की ग्रामीण जनसंख्या के पिछड़े वर्गों हेतु दीर्घकालिक कृषि एवं शिक्षा । समुदायों को, महिलाओं, किसानों और युवाओं के लिए सामुदायिक संगठन का गठन करने हेतु सम्मिलित होने के लिए संवेदनशील बनना । संवेदीकरण और कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से, शिक्षा और सामुदायिक सशक्तीकरण का एकीकरण । समुदायों को पर्यावरणीय जागरूकता की जानकारी प्रदान करना ।

प्रमुख गतिविधियाँ –

- क्षमता निर्माण/कृषि/पशुपालन/ वोकेशनल प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
- फसल उत्पादकता में सुधार तथा डेअरी विकास ।
- बैंक ऋण और मार्केट–संबंधों को सुविधाजनक बनाना ।
- किसान–क्लब, सेल्फ हेल्प ग्रुपों जैसे ग्राम स्तर के सामुदायिक संगठनों का गठन ।
- सेल्फ हेल्प ग्रुपों के लिए ई.डी.पी. प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
- जागरूकता प्रशिक्षण और महिलासशक्तीकरण एवं जलसंरक्षण विकास ।

ए.सी. व ए.बी.सी. योजना से संबंध –

मैनेज से जुड़े हील ट्रस्ट द्वारा अक्तूबर, 2012 से ए.सी.और ए.बी.सी. योजना के तहत 2 महीनों का प्रशिक्षण दिया जाता रहा है और अब तक चार प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिये 136 सदस्यों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इनमें से 80 कृषि उद्यमी कृषि वेंचर स्थापित कर चुके हैं।

चयन प्रक्रिया तथा सहायक (हैंड होल्डिंग) गतिविधियाँ –

- सूचीबद्ध उम्मीदवारों की संवीक्षा ए.सी. व ए.बी.सी. योजना के तहत निर्मित 2010 दिशानिर्देशों के आधार पर की जाती है।
- उपयुक्त प्रत्याशियों को हील, एन.टी.आई. ईरोड में स्क्रीनिंग समिति के समक्ष साक्षात्कार के लिए बुलवाना । उम्मीदवारों का चयन पूर्व निर्धारित मापदंडों के आधार पर किया जाता है।
- एन.टी.आई. द्वारा नियमित रूप से कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं जिनमें बैंकों, कंपनियों और संबंधित सरकारी विभागों के स्थानीय प्रतिनिधियों को प्रशिक्षणार्थियों के मार्गदर्शन हेतु आमंत्रित किया जाता है और परियोजना प्रस्तावों ऋण–प्रक्रिया तथा अन्य संगत विषयों पर जानकारी प्रदान की जाती है। हमारा संगठन हर प्रकार की सहायता की पहल करता है।

Mr. R. Prabhu, Nodal Officer

एन.टी.आई का पूरा पता –

लॅकलस्टर ग्रामीण जनता की स्वास्थ्य, शैक्षिक जागरूकता हेतु चैरिटेबल न्यास (हील न्यास), ईरोड तमिलनाडु
नं. 17 मणिक्कम स्ट्रीट, नल्ली अस्पताल रोड, बस स्टैंड के सामने
ईरोड – 638004
फोन – 0424–4301002
मेबाइल – 09500960020
ई–मेल– healerode.tn@gmail.com, prabhu.ara@gmail.com

'विस्तृत परियोजना रिपोर्ट' तैयार करने हेतु अनुदेश

- डी.पी.आर. बनाने का मुख्य आधार मार्केट सर्वेक्षण का डाटा और अपनी कृषि व्यापार योजना होना चाहिए ।
- विस्तृत परियोजन रिपोर्टों को व्यवस्थित रूप से परियोजना की समस्त गतिविधियों को क्रमबद्ध तरीके से सम्मिलित करते हुए तैयार किया जाना चाहिए ।
- जब रिपोर्ट किसी बैंकर के समक्ष प्रस्तुत की जाए तो उसमें कोई भी मुद्दा न छूटे ।
- परियोजना की समस्त गतिविधियों को स्पष्ट रूप से समझाया जाए ।
- प्रस्तुत अनुमान, सामान्यतः मौजूदा मानकों की पुष्टि करते हों ।
- वे वास्तविक और स्वीकार्य हों ।
- सभी मायनों में, परियोजना रिपोर्ट स्वतः स्पष्ट होनी चाहिए ताकि बैंकर को प्रस्ताव पर प्रथम दृष्ट्या निर्णय लेने में सुविधा हो ।
- चूँकि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, ए.सी. व ए.बी.सी. योजना के तहत तैयार की जाती है, अतः यह ध्यान रखा जाए कि परियोजना को मुहैया करवाई जाने वाली सेवाओं को विस्तृत रूप से दर्शाया जाए । अन्यथा इस योजना के तहत उन्हें मिलने वाली रियायत (सब्सिडी) देने से नाबार्ड मना कर सकता है।
- हो सकता है कि, बैंकों की कुछ शाखाओं को इस योजना के बारे मे विस्तृत जानकारी न हो । अतः परियोजना रिपोर्ट के एक भाग के रूप में योजना के आधारिक/मूलभूत सिद्धांत दर्शाए जाएं और विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइट के पते का भी उल्लेख किया जाए ।
- जब ऋण की राशि पाँच लाख से अधिक की हो, तो प्रस्तावित समानांतर प्रतिभूतियों को भी रिपोर्ट में दर्शाया जाए ।
- परियोजना रिपोर्ट संबंधित बैंक में निर्धारित आवेदन पत्र व संलग्नकों के साथ प्रस्तुत की जाए और बैंक से उसकी रसीद भी ले ली जानी चाहिए।

(एम.राम मोहन राव, परामर्शक (परियोजना) सी.ए.डी.मैनेज)

www.agriclinics.net वह पोर्टल है जो एसी तथा एबीसी योजना के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल पात्रता मानदंडों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सहायता कार्यों, वित्त विकल्पों तथा भावी उद्यमियों को सब्सिडी प्रदान करने के संबंध में अद्यतन जानकारी देता है।यह वेबसाइट स्थापित कृषि नव उद्यमों, लंबित परियोजनाओं, संबंधित योजनाओं के ब्यौरों से संबंधित सूचना तथा राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, बैंकों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा कृषि उद्यमियों के लिए उपयोगी अन्य सूचना भी प्रदान करती है।

एग्री क्लीनिकों तथा एग्रीबिजनेस केंद्रों के संबंध में अधिक स्पष्टीकरण के लिए कृपया इस पते पर मेल करें। indianagripreneur@manage.gov.in

''प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि''

'कृषि उद्यमी' का प्रकाशन
श्री बी श्रीनिवास, आईएएस,
महानिदेशक, मैनेज, हैदराबाद द्वारा किया जाता है।

हमें संपर्क करें:
कृषि उद्यमिता विकास केंद्र (सीएडी) राष्ट्रीय कृषि प्रबंधन विस्तार संस्थान
(मैनेज), राजेन्द्र नगर, हैदराबाद,
पिन–500030 आन्ध्र प्रदेश, भारत
हेल्पलाइन नं : 1800 425 1556 (टोल फ्री)
ईमेल: helplinecad@manage.gov.in

प्रमुख संपादक : श्री वी. श्रीनिवास, आईएएस
संपादक : डा. पी. चंद्रशेखर
सहायक संपादक : डा. लक्ष्मीमूर्ति
: सुश्री ज्योति सहारे